विज्ञान समिति, उदयपुर

स्वर्ण जयन्ती

एवं

मंगल भावना समारोह

विवरणिका : मंगल भावना एवं स्वर्ण जयन्ती समारोह

क्र. स.	शीर्षक	पेज नं.
1.	नियमित जन्मोत्सव कार्यक्रम	217
2.	ग्रामीण महिला चेतना शिविर	217
3.	मुख्य स्वर्ण जयन्ती एवं मंगल भावना समारोह	219
4.	विज्ञान एवं अध्यात्म संगोष्ठी	225
5.	पौधारोपण	227
6.	उत्कृष्ट सेवा सम्मान	227–228

विज्ञान समिति की स्वर्ण जयन्ती एवं संस्थापक डॉ. के.एल. कोठारी का मंगल भावना समारोह 30 जून 2015 – परिदृश्य

डॉ. के.बी. शर्मा, डॉ. एल.एल. धाकड़ एवं श्री पवन कोठारी

विज्ञान समिति के संस्थापक डॉ. के.एल कोठारी के 80 वर्ष की पूर्णता एवं 81वें जन्मदिवस के अवसर पर समिति परिसर एवं कार्यालय में प्रातः 10 बजे से अद्वितीय प्रसन्नता का माहौल था। समिति के सभी सदस्य, सहयोगीगण एवं कार्यकर्ता अपने संस्थापक के 80वें वर्ष के परिसम्पन्नता एवं उनके द्वारा विज्ञान समिति की विकास, उद्देश्य के अनुरूप गतिविधियों पर सक्रिय एवं समर्पित योगदान को अमिट यादगार के रूप में समारोहपूर्वक मनाने में कोई कसर नहीं छोड़ना चाहते थे। इसी भावना से प्रेरित होकर 30 जून 2015 को मंगल भावना समारोह का उत्साहपूर्वक आयोजन किया गया।

नियमित जन्मोत्सव कार्यक्रम – प्रातः 11 बजे डॉ. के.एल. कोठारी सा. के कार्यालय में प्रवेश पर वहां उपस्थित सक्रिय सदस्यों ने उनका भावपूर्ण अभिवादन के साथ जन्मोत्सव के निर्धारित सोफे पर आदरपूर्वक बैठने का आग्रह किया। सर्वप्रथम तिलक लगाकर, लाल गुलाब की माला पहनाकर, आगामी जीवन गुलाब की तरह सुगन्धित एवं महकता रहे और समाज सेवा में मार्गदर्शक बनकर युवाओं के लिए प्रेरणा स्रोत बने, यही सभी की कामना थी। सम्मानित सदस्य आते गए, सबसे पहली गुलाब की माला वयोवृद्ध स्वतन्त्रता सैनानी श्री के.एस. सिसोदिया ने पहनाई, मालाएं, उपरना, पगड़ी पहनाकर, गले मिलते गए, कुछ सदस्य उनके पैर छू कर आशीर्वाद भी लेते गए। कार्यक्रम चलता रहा। हर्ष उल्लास के वातावरण में सभी को मिठाई खिलाकर उसे यादगार बनाया गया। अनेक सदस्य इन दृश्यों को अपने मोबाइल कैमरे में कैद करते गए। यह कार्यक्रम, ग्रामीण महिलाओं द्वारा आयोजित कार्यक्रम के बुलावे तक चलता रहा।

ग्रामीण महिला चेतना शिविर – ग्रामीण महिला चेतना शिविर का आयोजन प्रत्येक माह की 30 तारीख को नियमित रूप से होता है। इस शिविर में अनेक गांवों – घणोली, फतहनगर, चन्देसरा, टूस डांगियान आदि से स्वयं सहायता समूह एवं अन्य महिलाएं भाग लेती हैं। इस कार्यक्रम से डॉ. कोठारी का विशेष लगाव रहा है। वे इसे महिला सशक्तीकरण क्षेत्र का अग्रणी कार्यक्रम मानते रहे तथा इसमें उनकी सदैव सक्रिय भागीदारी रही है।

आज के इस अवसर पर ग्रामीण महिलाओं के विशेष आग्रह को स्वीकार कर आप इस प्रकोष्ठ के वार्षिक कार्यक्रम में उनके द्वारा आयोजित मंगल भावना समारोह में सम्मिलित हुए। इस कार्यक्रम में सर्वप्रथम विज्ञान समिति की सहसचिव शकुन्तला धाकड़, ग्रामीण महिलाओं की ओर से डॉ. कोठारी एवं विज्ञान समिति के वरिष्ठ सदस्यों का स्वागत किया। ग्रामीण महिला चेतना शिविर की संयोजक डॉ. शैल गुप्ता ने इस प्रकोष्ठ का वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। डॉ. सुशीला अग्रवाल, डॉ. एल.एल. धाकड़, श्री प्रकाश तातेड़, श्रीमती रेणु भण्डारी ने डॉ. कोठारी सा. की जीवन यात्रा में सेवाभावी पहलुओं से ग्रामीण महिलाओं को अवगत कराया। अनेक ग्रामीण महिलाओं ने स्वयं सहायता समूहों की ओर से डॉ. कोठारी का उपरणा ओढ़ा कर सम्मान किया। डॉ. कोठारी ने अपने उद्‌बोधन में, महिलाओं को परिवार के सदस्यों में शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, कृषि एवं पशुपालन में जाग्रति लाने में अपना योगदान देने में संकल्प लिया। डॉ. कोठारी ने प्रत्येक महिलाओं को नीबू के पौधे के साथ, वर्षा ऋतु में बोई जाने वाली सब्जियों के बीजों के

पैकेट को वितरित कर इस उद्देश्य से किए कि सब्जियों के उपयोग से उनके परिवार के सदस्यों के स्वास्थ्य के लिए उपयोगी रहेगा। इस समारोह के पूर्व सभी ग्रामीण महिलाओं को योग प्रशिक्षण दिया गया।

मुख्य स्वर्ण जयन्ती एवं मंगल भावना समारोह – विज्ञान समिति के सभागार में विज्ञान समिति की स्वर्ण जयन्ती एवं डॉ. कोठारी के 80 वर्ष की पूर्णता पर मंगल भावना समारोह का शुभारंभ सांयकाल 6 बजे हुआ जिसमें डॉ. गिरिजा व्यास पूर्व केन्द्रीय मंत्री, डॉ. के.एन. नाग पूर्व कुलपति राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय बीकानेर, डॉ. एस.एल. मेहता, पूर्व कुलपति महाराणा प्रताप कृषि विश्वविद्यालय एवं डॉ. बी.पी. भटनागर पूर्व कुलपति जनार्दन राय नागर राजस्थान विद्यापीठ विश्वविद्यालय मुख्य अतिथि थे। सभा में शहर के अनेक प्रबुद्ध, गणमान्य नागरिकों के साथ विज्ञान समिति के सदस्यों सहित लगभग 300 व्यक्ति उपस्थित थे। प्रारम्भ में समारोह के चेयरमेन एवं विज्ञान समिति के मानद निदेशक डॉ. के.बी. शर्मा, महासचिव डॉ. के.एल. तोतावत एवं सदस्य श्री शान्तिलाल जी भंडारी ने सभी अतिथियों का तिलक, उपरणा एवं शाल ओढ़ाकर सम्मान किया। विज्ञान समिति के कार्यकारी अध्यक्ष प्रो. एल.एल. धाकड़ ने सभी का स्वागत एवं अभिवादन किया तथा विज्ञान समिति की 55 वर्षीय गौरवपूर्ण बहुउद्देश्यीय यात्रा का विवरण देते हुए इस अवसर पर प्रकाशित स्मारिका ''साकार सपना'' का संक्षिप्त विवरण प्रस्तुत किया। प्रधान सम्पादक डॉ. एल.एल. धाकड़ के साथ सम्पादक श्री प्रकाश तातेड़, सह–संपादक डॉ. कमल प्रकाश तलेसरा और सम्पादक मंडल सदस्य डॉ. जैनेन्द्र कुमार

दोशी ने अतिथियों को स्मारिका 'साकार सपना' विमोचन हेतु प्रस्तुत की।

विज्ञान समिति के विशिष्ट संरक्षक सदस्य डॉ. यशवन्त कोठारी ने डॉ. के.एल. कोठारी के जीवन परिचय को विस्तार से प्रस्तुत कर, उनके जीवन की अनेक महत्वपूर्ण घटनाओं से अवगत कराया।

इसके पश्चात् श्री प्रकाश धाकड़ ने, डॉ. जगमोहन हुमड़ (कनाड़ा), डॉ. योगेश जी अटल(नई दिल्ली) द्वारा, डॉ. कोठारी के व्यक्तित्व पर रचित कविताओं का पठन किया एवं अपनी ओर से भी उनके सम्मान में एवं भावपूर्ण कविता की प्रस्तुति दी। विज्ञान समिति के विशिष्ट संरक्षक सदस्य श्री लक्ष्मण जी कर्णावट ने डॉ. के. एल कोठारी के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर स्वरचित कविता को अंतरंग भाव से मधुर वाणी दी। सभी कविताओं पर उपस्थित सभासदों ने हर्षध्वनि से प्रसन्नता व्यक्त की।

सचिव श्री प्रकाश तातेड़ ने डॉ. कोठारी को समर्पित अभिनन्दन पत्र का वाचन किया। अतिथियों द्वारा यह अभिनन्दन पत्र डॉ. कोठारी को तिलक, उपरणा, माला, पगड़ी एवं शाल ओढ़ाकर सम्मान करते हुए भेंट किया गया। अनेक संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने डॉ. कोठारी को उपरणा, शाल, अभिनन्दन पत्र भेंट कर उनको सम्मानित किया। डॉ. के.एल. कोठारी के आग्रह एवं मान्यताओं को ध्यान में रखते हुए वास्तविक फूलों, मालाओं एवं गुलदस्तों का उपयोग नगण्य हुआ। इस अवसर पर डॉ. कोठारी ने कोई भी भेंट स्वीकार नहीं कर अपनी सहज, सादगी और विनम्रता का परिचय दिया।

इस अवसर पर डॉ. के.एल. कोठारी ने अपने उद्‌बोधन में 55 वर्ष की विज्ञान समिति की गौरवशाली एवं बहुउद्देश्यीय यात्रा में अनेक सेवा समर्पित उच्च शैक्षणिक योग्यता रखाने वाले वैज्ञानिकों, बहुसंकाय सदस्यों, एवं समाज सेवी सहयोगियों के प्रति अंतर्मन से हार्दिक आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह सब कार्य उनके सहयोग से ही संभव हुआ। सदस्यों ने मुझे जो स्नेह, सम्मान एवं कार्यों के प्रति जो सजगता और सहयोग दिया उससे मैं आत्मविभोर हूं एवं आज मेरी मंगल भावना में जो व्यवस्थित कार्यक्रम आयोजित किया उसके लिए शब्दों से धन्यवाद और आभार देना सम्भव नहीं है। सर्वशक्तिमान ईश्वर से मैं प्रार्थना करता हूं कि विज्ञान समिति की मानवसेवा समर्पित एवं विज्ञान के प्रचार–प्रसार की गतिविधियां सुचारू रूप से आगे भी इसी सक्रियता से जारी रहे। इस अवसर पर उन्होंने स्वरचित कविता का पठन भी किया। उनके भावपूर्ण वक्तव्य एवं कविता पाठ पर सभागार में उपस्थित सभी सदस्यों ने अपने स्थान पर खड़े होकर हर्षोध्वनि से अभिवादन किया।

पूर्व केन्द्रीय मंत्री डॉ. गिरिजा व्यास ने अपने उद्‌बोधन में बताया कि मैं डॉ. के.एल. कोठारी के विज्ञान के प्रचार–प्रसार के साथ, महिला सशक्तीकरण क्षेत्र में समर्पित कार्यों की प्रत्यक्षदर्शी हूं और मुझे डॉ.

कोठारी द्वारा ग्रामीण आदिवासी महिलाओं के कष्टों, उन्नति के मार्गों पर आधारित राष्ट्रीय एवं क्षेत्रिय संगोष्ठियों के आयोजनों में भाग लेकर अपने विचारों को व्यक्त करने का अवसर दिया। डॉ. के.एन. नाग पूर्व कुलपति राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय बीकानेर ने अपने वक्तव्य में कहा कि डॉ. कोठारी विश्वविद्यालय में मेरे सक्रिय सहयोगी रहे एवं मक्का की पौध व्याधि क्षेत्र में प्रशंसनीय कार्य के साथ, स्वयंसेवी संस्था विज्ञान समिति की स्थापना कर नवीन प्रौद्योगिकी, विशेषकर कृषि तकनीकी प्रचार–प्रसार में अतुलनीय कार्य किया। महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति डॉ. एस.एल. मेहता ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा, चयनित गांवों के सर्वांगीण विकास क्षेत्र में विज्ञान समिति के समर्पित प्रतिभावान सदस्यों का कार्य देखने का मुझे अवसर प्राप्त हुआ। विज्ञान समिति इस कार्य को और अधिक व्यवस्थित एवं व्यापकता प्रदान करे जो आज की आवश्यकता है।

डॉ. बी.पी. भटनागर पूर्व कुलपति, जनार्दन राय नागर राजस्थान विद्यापीठ

विश्वविद्यालय ने कहा कि विज्ञान समिति सामाजिक क्षेत्र विशेषकर बहुसंकायी चिकित्सा परामर्श–शिविरों के आयोजन एवं सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि आपकी सभी की उपस्थिति से विज्ञान समिति की स्वर्ण जयन्ती एवं संस्थापक

अनेक सामाजिक, धार्मिक, सेवा क्षेत्र की संस्थाओं को अपनी जनहितैषी गतिविधियों को संचालित करने हेतु समिति सभागार को अल्प सहयोग राशि पर उपलब्ध कराती है जो एक सराहनीय कार्य है। संयुक्त सचिव एवं संयोजक आयोजन समिति श्री पवन कोठारी ने कार्यक्रम के अन्त में सभी अतिथियों एवं विभिन्न संस्थाओं के उच्च पदाधिकारियों एवं शहर के गणमान्य नागरिकों एवं सम्मानित

डॉ. के.एल. कोठारी के मंगल भावना समारोह को गरिमा एवं भव्यता प्राप्त हुई। इसके लिए मैं आप सभी के प्रति आभार व्यक्त करता हूं। कार्यक्रम के अन्त में अनेक संस्थाओं एवं परिवारजनों ने डॉ. के.एल कोठारी का बड़ी आत्मीयता से अभिवादन एवं वन्दन किया। कार्यक्रम का समय सीमा में सफल संयोजन

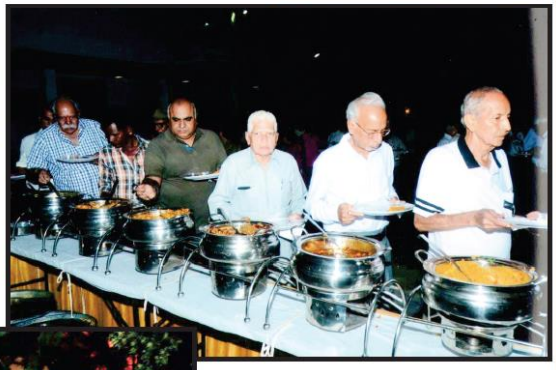

डॉ. कोठारी की पुत्रवधू श्रीमती मोनिका कोठारी ने किया। विज्ञान समिति के कार्यकारी अध्यक्ष ने गुलदस्ता भेंट कर उनका सादगीपूर्ण सम्मान किया। श्री प्रकाश तातेड़, डॉ. तोतावत, श्री रमेश भटनागर एवं श्री शांतिलाल भंडारी ने कार्यक्रम को व्यवस्थित संचालित करने में सक्रिय सहयोग प्रदान किया।

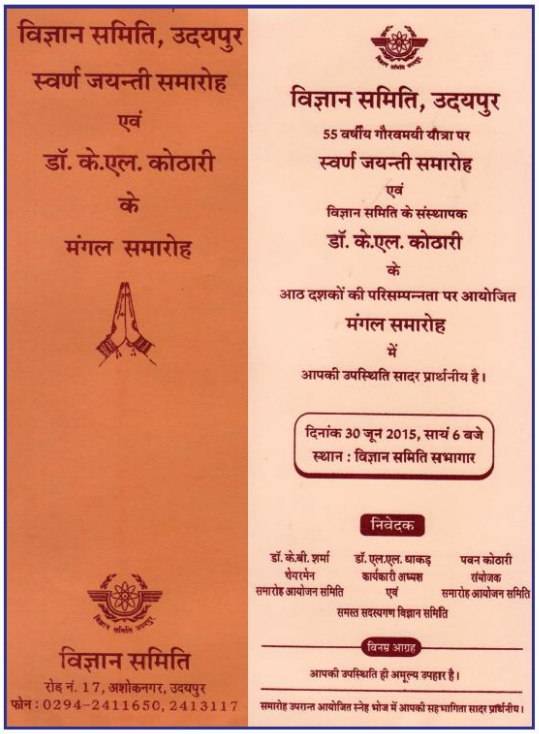

विज्ञान समिति, उदयपुर

स्वर्ण जयन्ती समारोह

एवं

डॉ. के.एल. कोठारी

के

मंगल समारोह

विज्ञान समिति

रोड नं. 17, अशोकनगर, उदयपुर

फोन : 0294-2411650, 2413117

विज्ञान समिति, उदयपुर

55 वर्षीय गौरवमयी यौत्रा पर

स्वर्ण जयन्ती समारोह

एवं

विज्ञान समिति के संस्थापक

डॉ. के.एल. कोठारी

के

आठ दशकों की परिसम्पन्नता पर आयोजित

मंगल समारोह

में

आपकी उपस्थिति सादर प्रार्थनीय है।

दिनांक 30 जून 2015, सायं 6 बजे

स्थान : विज्ञान समिति सभागार

निवेदक

डॉ. के.बी. शर्मा	डॉ. एल.एल. धाकड़	पवन कोठारी
चेयरमेन	कार्यकारी अध्यक्ष	संयोजक
समारोह आयोजन समिति	एवं	समारोह आयोजन समिति

समस्त सदस्यगण विज्ञान समिति

विनम्र आग्रह

आपकी उपस्थिति ही अमूल्य उपहार है।

समारोह उपरान्त आयोजित स्नेह भोज में आपकी सहभागिता सादर प्रार्थनीय।

विज्ञान एवं अध्यात्म संगोष्ठी – डॉ के.एल. कोठारी ने आर्थिक रूप से कमजोर कृषक, ग्रामीण महिलाओं, विज्ञान प्रेमी युवाओं के मध्य कार्य करते हुए अध्यात्म के क्षेत्र को जीवन की इस सक्रिय यात्रा में अपनाया। इसके अंतर्गत केलवा में एक आचार्य भिक्षु आलोक संस्थान की स्थापना कर, अध्यात्म गोष्ठियों का आयोजन एवं श्रद्धा नाम से मासिक पत्र का शुभारंभ किया जिसका नियमित प्रकाशन हो रहा है। अपने 81वें जन्म दिवस के प्रथम सप्ताह में डॉ. कोठारी ने अपने प्रेरणा स्रोत डॉ. डी.एस कोठारी के जन्म दिवस 6 जुलाई को ''अध्यात्म एवं विज्ञान'' विषय पर एक दिवसीय संगोष्ठी मुनि श्री जी के सान्निध्य में डॉ. नरेन्द्र भंडारी, वैज्ञानिक, भौतिक शोध प्रयोगशाला (इसरो), अहमदाबाद के मुख्य आतिथ्य में आयोजित की गई।

कार्यक्रम के प्रारम्भ में डॉ. यशवन्त कोठारी एवं डॉ. के.एल. मेनारिया ने दौलत सिंह कोठारी का जीवन परिचय देते हुए उन पर लिखी गई पुस्तिका ''मेवाड़ के सपूत, महान् वैज्ञानिक एवं शिक्षाविद् डॉ. दौलत सिंह कोठारी–व्यक्तित्व एवं कृतित्व'' का लोकार्पण मुख्य अतिथि द्वारा किया गया। डॉ. एन.एल. कच्छारा, संयोजक, संगोष्ठी ने आगन्तुकों का स्वागत तथा डॉ. जैनेन्द्र जैन, आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, एमएलएसयू ने संगोष्ठी परिचय एवं विशेष प्रवेश पर वक्तव्य दिया।

मुनिश्री प्राणम्यसागर ने धर्म, द्रव्य, अध्यात्म की विवेचना करते हुए कहा कि अध्यात्म का मार्ग ही मानवता के लिए शांति का मार्ग है। मुनिश्री राकेश कुमार जी ने ''अध्यात्म एवं विज्ञान'' पर आयोजित संगोष्ठी पर अपने संदेश में व्यक्त किया कि डॉ. डी.एस. कोठारी सबसे पहले जैन श्रावक थे, उसके बाद सब कुछ। वे समाज के गौरव थे। उनका जीवन अध्यात्म और विज्ञान के समन्वय का मूर्तरूप था।

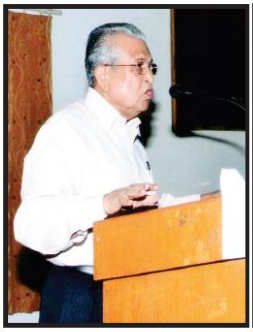

वक्ता डॉ. पी.एम. अग्रवाल ने प्रतिपादित किया कि सापेक्षतावाद एवं क्वांटम भौतिकी का गहन अध्ययन अध्यात्म की सीमा में प्रवेश कर जाता है और वीतरागता ही अहिंसा की पोषक हो सकती है। मुख्य अतिथि डॉ. नरेन्द्र भण्डारी ने कहा कि निम्न कोटि के जीवों की हिंसा भी न करें क्योंकि भविष्य के उन्नत जीवों का विकास इनसे ही होना है। डॉ. सुरेन्द्र पोखरना, पूर्व वैज्ञानिक इसरो ने कहा कि आध्यात्मिक विकास ही पर्यावरण को सुरक्षित

रखने में सक्षम है। डॉ. के.एल. कोठारी, विज्ञान समिति संस्थापक एवं अध्यक्ष ने विज्ञान एवं अध्यात्म के समन्वयन को अनिवार्य बताया। कार्यकारी अध्यक्ष डॉ. लक्ष्मीलाल धाकड़ ने कहा कि सुख–शांति का आधार संयम है तथा डॉ. प्रेमसुमन जैन ने अपने वक्तव्य में प्रतिपादित किया कि अहिंसा ही मानवीय शांति का मूल मंत्र है। संगोष्ठी के समापन सत्र के अध्यक्ष एवं पूर्व अध्यक्ष, राजस्थानी भाषा एवं संस्कृति अकादमी डॉ. देव कोठारी को ''अध्यात्म एवं विज्ञान क्षेत्र में अतुलनीय योगदान'' के लिए सम्मानित किया गया।

पौधारोपण : डॉ. के.एल. कोठारी के 81वे जन्मदिवस का अन्तिम कार्यक्रम उनके तिथि अनुसार जन्मदिवस अर्थात् आषाढ़ कृष्ण अमावस्या 16 जुलाई को विज्ञान समिति परिसर में उपयुक्त स्थल पर विज्ञान समिति साथियों की उपस्थिति में एक "क्रिसमस ट्री" लगा कर किया गया। यह पेड़ विज्ञान समिति की स्वर्ण जयन्ती एवं उसके संस्थापक डॉ. के.एल. कोठारी के मंगल भावना समारोह की सदैव याद दिलाता रहेगा।

उत्कृष्ट सेवा सम्मान – स्वर्ण जयन्ती समारोह के अंतिम कार्यक्रम के रूप में डॉ. के.एल. कोठारी सा. की प्रेरणा एवं सहयोग से विज्ञान समिति के समर्पित, निष्ठावान, नियमित योगदानी कार्यकर्त्ता श्रीमती विमला कोठारी, डॉ. के.बी. शर्मा, डॉ. एम. के. भटनागर, डॉ. बी. भण्डारी, डॉ. वाई.एस. कोठारी, श्री गणेश डागलिया, डॉ. एन.एल. गुप्ता, श्री एच.वी. पालीवाल, श्री सुरेश चन्द्र मेहता, श्री एन.एल. शाह, डॉ. के.पी. तलेसरा, श्री इब्राहिम अली, डॉ. एल.एल. धाकड़, श्री सुरेन्द्र भटनागर, डॉ. के.एल. तोतावत को उत्कृष्ट सेवा सम्मान से नवाजा गया। यह सम्मान विज्ञान समिति के 57वें स्थापना दिवस समारोह 30 अगस्त, 2015 को राजस्थान के गृहमंत्री श्रीमान् गुलाबचन्द जी कटारिया सा. एवं महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. परमेन्द्र दशोरा एवं अन्य गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति में दिया गया।

स्थापना दिवस